बमभोले | भक्तों की भीड़ को संभालने पुलिस रहेगी अलर्ट , नर्मदा घाटों में भी जनसैलाब

सावन का पहला सोमवार आज, शिव मंदिरों में उमड़ेगा आस्था का सैलाब

सोमवार के दौरान शारदा देवी मंदिर मदनमहल, कचनार सिटी मंदिर, विजय नगर, गुप्तेश्वर महादेव मंदिर, कैलाश धाम मटामर मंदिर, बाबाताल सिहोरा, शारदा देवी मंदिर बरेला, श्री सुप्तेश्वर गणेश मंदिर, पाटबाबा मंदिर, त्रिपुर सुंदरी, चौसठ योगिनी मंदिर, बरगी स्थित महादेव मंदिर में भक्तजनों की भीड़ सुबह से ही लगनी शुरू हो जाती है।

▶ झंडा और जल चढ़ाने लगेगा जगह-जगह तांता

नवभारत,जबलपुर। सावन माह का पहला सोमवार आज है और शहरी इलाकों में स्थित शिव मंदिरों , शारदा देवी मंदिरों व नर्मदा घाटों में भक्तजनों की भीड़ उमड़ने वाली है। 3 अगस्त की सुबह से ही शारदा माता मंदिर में झंडा अर्पित करने का सिलसिला भी भक्तजनों द्वारा शुरू होगा। इस दौरान अलग अलग जगहों के भक्तजनों का समूह मदनमहल पहाड़ी के पास स्थित मां शारदा देवी मंदिर में झंडा लेकर पहुंचेगा और फिर मां की पूजा करेगा। वहीं तिलवाराघाट, गौरीघाट और भेड़ाघाट नर्मदा तटों पर भी भक्तजनों की भीड़ पूजन अर्चन के लिए जुटेगी। कई कांवड़िए सड़कों पर नजर आएंगे।

इन मंदिरों में रहती है अधिक भीड़

जानकारी के अनुसार सावन

शिव मंदिर के आस-पास पुलिस की तैनाती

सावन के पहले सोमवार से शिव मंदिर में पहुंचने वाली भीड़ को कंट्रोल एवं सुरक्षा व्यवस्था को लेकर शहर से देहात तक करीब डेढ़ दर्जन से अधिक बड़े शिव मंदिरों में पुलिस बल तैनात किया गया है। मंदिर परिसर के अंदर एवं बाहर एकाएक भीड़ न हो इसके लिए सुबह 5 बजे से संबंधित थाना के अलावा पुलिस लाइन से अतिरिक्त बल की तैनाती की गई है। थाना प्रभारी, सीएसपी एवं एसडीओपी को अपने-अपने क्षेत्र के मंदिरों में लगी सुरक्षा व्यवस्था का समय-समय पर निरीक्षण करने के निर्देश पुलिस अधीक्षक सम्पत उपाध्याय द्वारा दिए गए हैं। पुलिस ने वहीं बरगी स्थित महादेव मंदिर, कटंगी पाटन मझगवां , बुढ़ागर में सुरक्षा के इंतजाम किए हैं।

मंडी मदार टेकरी में आज सजेगी मशहूर कव्वाल अजीम नाजा की महफिल

नवभारत, जबलपुर। मंडी मदार टेकरी स्थित हजरत सैय्यदना शहाबुद्दीन उर्फ़ मौलाना मखदूम अनीसुर्रहमान रहमतुल्लाह अलैह के उर्स के अवसर पर आज सोमवार रात 10 बजे जमीअतुल कुरैश के तत्वावधान में मंडी मदार टेकरी जामा मस्जिद के सामने भव्य कव्वाली महफ़िल का आयोजन किया जा रहा है। इस रूहानी महफ़िल में मुख्य अतिथि विधायक लखन घनघोरिया, विशिष्ट अतिथि पूर्व विधायक विनय सक्सेना तथा विशेष अतिथि हाजी कदीर सोनी एवं मतीन अंसारी उपस्थित रहेंगे। महफ़िल के खास आकर्षण हिंदुस्तान के मशहूर कव्वाल अजीम नाजा होंगे, जो अपने साथियों के साथ सूफ़ियाना कलाम पेश करेंगे। इस मौके पर आयोजन समिति के अध्यक्ष अमीन कुरैशी, हाजी निजाम कुरैशी, टीपू कुरैशी, डॉ. ताजदार चौधरी, रियाज कुरैशी, जानिसार अख्तर एवं अन्य सदस्यों ने शहरवासियों और अकीदतमंदों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर इस रूहानी महफ़िल की बरकतें हासिल करें।

होम साइंस कॉलेज बना अनुशासन और समयबद्ध शिक्षण का मॉडल

▶ संस्थानों में अनुशासन और जवाबदेही होना जरूरी : डॉ. शुक्ल

नवभारत, जबलपुर। उच्च शिक्षा संस्थानों में उत्कृष्ट परिणाम तभी संभव हैं, जब परीक्षा व्यवस्था, पाठ्यक्रम, नियमित शिक्षण, अनुशासन और जवाबदेही जैसे सभी पहलुओं पर समान रूप से कार्य किया जाए। यह बातें शासकीय मोहनलाल हरगोविंददास गृहविज्ञान एवं विज्ञान महिला महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. समीर कुमार शुक्ल ने कॉलेज की सफलता पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहीं। महाविद्यालय ने परीक्षा समाप्ति के मात्र एक माह के भीतर सभी संकायों के परीक्षा परिणाम घोषित कर समयबद्ध प्रबंधन का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया है। इसके साथ ही नवीन शैक्षणिक सत्र के लिए सभी विभागों की बोर्ड ऑफ स्टडी की बैठकें आयोजित कर पाठ्यक्रम निर्धारण की प्रक्रिया पूर्ण कर ली गई है। इसके बाद बिना किसी विलंब के नियमित कक्षाओं का संचालन भी प्रारंभ कर दिया गया है। अब महाविद्यालय प्रशासन का संपूर्ण फोकस गुणवत्तापूर्ण शिक्षण, समय पर पाठ्यक्रम पूर्ण कराने तथा अनुशासित कार्यसंस्कृति स्थापित करने पर केंद्रित है। छात्राओं की नियमित उपस्थिति, निर्धारित गणवेश, समय-सारणी के अनुसार कक्षाओं का संचालन तथा प्रत्येक प्राध्यापक द्वारा निर्धारित कार्य अवधि का पूर्ण पालन सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन ने कई महत्वपूर्ण निर्णय लागू किए हैं।

नियमित कक्षाओं के संचालन पर कॉलेज प्रशासन सख्त

महाविद्यालय प्रशासन का स्पष्ट मत है कि किसी भी शिक्षण संस्थान की पहचान केवल परीक्षा परिणामों से नहीं, बल्कि अनुशासन, उत्तरदायित्व, पारदर्शिता एवं नियमित शिक्षण व्यवस्था से होती है। इसी उद्देश्य से प्रतिदिन सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक महाविद्यालय का मुख्य प्रवेश बैरियर बंद रहेगा। इस अवधि में यदि किसी अधिकारी, प्राध्यापक, अतिथि विद्वान अथवा कर्मचारी को किसी शासकीय कार्य से परिसर से बाहर जाना आवश्यक हो, तो उन्हें प्राचार्य को सूचित कर गेट रजिस्टर में कारण सहित प्रविष्टि करना अनिवार्य होगा। प्राचार्य डॉ. समीर कुमार शुक्ल ने बताया कि यह व्यवस्था किसी व्यक्ति विशेष के लिए नहीं, बल्कि संस्थान में अनुशासन एवं जवाबदेही को मजबूत करने के उद्देश्य से लागू की गई है। महाविद्यालय में कार्यरत प्रत्येक प्राध्यापक, सहायक प्राध्यापक, अतिथि विद्वान तथा अधिकारी-कर्मचारी शासन द्वारा निर्धारित कार्य अवधि के अनुरूप महाविद्यालय में उपस्थित रहकर अपने दायित्वों का निर्वहन करें, यह सुनिश्चित किया जाएगा। समय पर आने वाले एवं पूर्ण निष्ठा से कार्य करने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होगी, किंतु कार्य अवधि का उल्लंघन, बिना अनुमति परिसर से बाहर जाना अथवा अपने दायित्वों की उपेक्षा करना अब स्वीकार नहीं किया जाएगा। सुदृढ़ प्रशासनिक व्यवस्था के माध्यम से होम साइंस कॉलेज उच्च शिक्षा में सुशासन एवं उत्कृष्ट कार्यसंस्कृति का एक नया मानक स्थापित कर रहा है। महाविद्यालय की यह पहल स्पष्ट संदेश देती है कि अनुशासन, समयपालन और उत्तरदायित्व ही किसी संस्थान की वास्तविक पहचान होते हैं, और इन्हीं मूल्यों के आधार पर महाविद्यालय निरंतर नए शैक्षणिक आयाम स्थापित कर रहा है।

▶ एक नजर में

टीकाराम कोष्टा बने ओबीसी कांग्रेस संगठन सिवनी जिला के प्रभारी

नवभारत, जबलपुर। मध्य प्रदेश कांग्रेस (ओबीसी विभाग) के प्रदेश उपाध्यक्ष टीकाराम कोष्टा को ओबीसी कांग्रेस सिवनी जिला संगठन प्रभारी नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल जय हिंद यादव के निर्देशानुसार और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी की मंशानुरूप ओबीसी विभाग के प्रदेश प्रभारी रमेश कुमार मौर्य तथा प्रदेश सह प्रभारी अजय गजराज हटेवार द्वारा की गई है। सिवनी जिला ओबीसी कांग्रेस संगठन प्रभारी नियुक्त होने पर टीकाराम कोष्टा को पूर्व मंत्री लखन घनघोरिया, तरुण भनोट, विनय सक्सेना, संजय यादव, कांग्रेस अध्यक्ष सौरभ शर्मा, दिनेश यादव, रमेश चौधरी, मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी (ओबीसी विभाग) के कार्यकारी अध्यक्ष पवन पटेल, कमलेश यादव, अमरीश मिश्रा, वृंदावन वर्मा, रामदास यादव, संजू ठाकुर और अशोक चौधरी आदि ने हर्ष व्यक्त करते हुए बधाई दी है।

सनातन धर्म समरस हिंदू संगठन ने किया पौधरोपण

नवभारत, जबलपुर। रामपुर स्थित खेरमाई दुर्गा मंदिर पहाड़ी पर रविवार 2 अगस्त को सनातन धर्म समरस हिंदू संगठन के तत्वाधान में पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देते हुए एक वृहत वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। रामपुर के पुरोहिताचार्य ब्रह्मलीन अंजनी महाराज की पुण्यतिथि की स्मृति में हुए इस आयोजन में लगभग 50 सामान्य और फलदार पौधे रोपे गए। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पंडित श्रीराम मूर्ति मिश्रा और विशिष्ट अतिथि महंत श्रीराम शरण महाराज, त्यागी बाबा तथा पप्पू महाराज उपस्थित रहे। इनके साथ शंकरशाह नगर वार्ड के पार्षद दिनेश तामसेतवार, जूनियर चैंपियन स्कूल रामपुर की प्रिंसिपल कविता धनगर, वहाँ के शिक्षकों और बच्चों ने भी पौधे लगाने में सक्रिय सहयोग दिया। इस दौरान राकेश बारी, अनिल धनगर और एडवोकेट विनोद यादव मुख्य रूप से मौजूद रहे।

मुनि प्रबुद्ध सागर के सानिध्य में चातुर्मास मंगल कलश स्थापना

नवभारत, जबलपुर। जैन बोर्डिंग हाउस सोसायटी गोलबाजार के प्रांगण में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की मौजूदगी में मुनि प्रबुद्ध सागर महाराज का वर्षायोग 2026 चातुर्मास मंगल कलश स्थापना समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुनि प्रबुद्ध सागर महाराज ने आचार्य परंपरा का स्मरण करते हुए कहा कि गुरु ने शिष्य को जो दिया, उसे आगे बढ़ाना ही हमारा अभियान है और हमें उसी विरासत को आगे लेकर जाना है। आचार्य की समाधि पर प्रश्न चिह्न खड़ा करने वालों को जवाब देते हुए मुनि ने कहा कि जब-जब महान तपस्वी साधना की ओर उत्कृष्ट सीमा पार करते हैं, तब उपसर्ग हुआ करते हैं। समारोह के प्रारंभ में मंगलाचरण का पाठ साधना जैन ने किया और आचार्य विद्यासागर महाराज के तैलचित्र के समक्ष ट्रस्ट कमेटी के सदस्यों ने दीप प्रज्ज्वलित किया तथा श्री जी का अभिषेक किया गया। इस धर्ममय वातावरण में चातुर्मास मंगल कलश स्थापना का प्रथम कलश प्राप्त करने का सौभाग्य मुनि के गृहस्थ जीवन के परिजनों पंकज विद्यार्थी, मुकेश विद्यार्थी और राजकुमार विद्यार्थी को मिला। इसके बाद द्वितीय कलश छोटेलाल सुपारी, तृतीय कलश सुरेश कुमार, नरेश कुमार तथा चौथा कलश प्रदीप लक्ष्मी, सुबोध कामरेड और अशोक जैन को प्राप्त हुआ। इस पूरे समारोह में डीएन जैन बोर्डिंग हाउस सोसायटी के अध्यक्ष सत्येन्द्र जैन, सचिव संजय और ट्रस्टी प्रभात जैन मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

प्राथमिक उपचार प्रशिक्षण कार्यक्रम हुआ आयोजित

नवभारत,जबलपुर। पश्चिम मध्य रेलवे के जबलपुर मंडल में यात्रियों और रेलकर्मियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पॉइंट्समैन कर्मचारियों के लिए प्राथमिक उपचार प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. शैलेन्द्र दीक्षित के निर्देशन एवं मंडल चिकित्सा अधिकारी डॉ. संदीप कुमार चौहान के मार्गदर्शन में आयोजित इस प्रशिक्षण का उद्देश्य आपातकालीन परिस्थितियों में कर्मचारियों को त्वरित एवं प्रभावी चिकित्सा सहायता प्रदान करने के लिए तैयार करना रहा। जुलाई माह के दौरान क्षेत्रीय प्रशिक्षण केंद्र, जबलपुर में परिवार कल्याण चिकित्सा विभाग द्वारा 64 पॉइंट्समैन को फर्स्ट एड का प्रशिक्षण दिया गया, जबकि स्वास्थ्य केंद्र सतना में नव नियुक्त 10 पॉइंट्समैन को भी प्राथमिक उपचार संबंधी जानकारी प्रदान की गई। प्रशिक्षण में दुर्घटना, आकस्मिक बीमारी एवं अन्य आपात स्थितियों में घायल अथवा अस्वस्थ व्यक्तियों को चिकित्सकीय सहायता मिलने तक आवश्यक प्राथमिक उपचार देने, संकट की स्थिति में सही निर्णय लेने और त्वरित प्रतिक्रिया देने के तरीकों की जानकारी दी गई।

आपदा प्रबंधन को मजबूत करना है

प्रशिक्षण वरिष्ठ नर्सिंग अधीक्षक एवं मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक, सतना द्वारा प्रदान किया गया। रेलवे प्रशासन के अनुसार इस पहल का उद्देश्य पॉइंट्समैन की आपदा प्रबंधन क्षमता को मजबूत करना तथा यात्रियों और कर्मचारियों की सुरक्षा को और अधिक प्रभावी बनाना है। जबलपुर मंडल कर्मचारियों के कौशल विकास, सुरक्षा जागरूकता और बेहतर यात्री सेवा के लिए ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित करता रहा है।

नशामुक्त भारत के निर्माण में युवाओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण : भट्ट

नवभारत, जबलपुर। नशा व्यक्ति, परिवार एवं समाज के पतन का सबसे बड़ा कारण बनता जा रहा है, इसलिए युवाओं को इस बुराई से दूर रखते हुए राष्ट्र निर्माण के कार्यों में उनकी ऊर्जा का सदुपयोग करना समय की आवश्यकता है। विश्व हिन्दू परिषद एवं बजरंग दल समाज में सेवा, सुरक्षा एवं संस्कार के कार्यों के साथ-साथ सामाजिक जागरण के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं और नशामुक्त भारत अभियान भी इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है। यह बातें मुख्य अतिथि बजरंग दल के क्षेत्र संगठन मंत्री विश्व वर्धन भट्ट ने कहीं। मौका था विश्व हिन्दू परिषद-बजरंग दल महाकौशल प्रांत द्वारा 'नशामुक्त भारत - विकसित भारत' अभियान के अंतर्गत आयोजित जागरूकता एवं शपथ ग्रहण कार्यक्रम का। कार्यक्रम के दौरान महाकौशल प्रांत सह मंत्री प्रदीप गुप्ता ने उपस्थित सभी कार्यकर्ताओं एवं नागरिकों को 'नशामुक्त भारत - विकसित भारत' की शपथ दिलाई।

नशा न करने का लिया संकल्प

इस दौरान सभी ने नशा न करने, नशे के विरुद्ध समाज में जनजागरण करने तथा राष्ट्रहित में स्वस्थ एवं संस्कारित समाज के निर्माण के लिए सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर महाकौशल प्रांत सह मंत्री प्रदीप गुप्ता, महाकौशल प्रांत संयोजक तर्शवी उपाध्याय, जबलपुर विभाग संयोजक सुमित सिंह ठाकुर, विशेष संपर्क प्रमुख पंकज, प्रांत सह प्रचार-प्रसार प्रमुख अजय चौरसिया सहित जबलपुर विभाग अंतर्गत सभी जिलों के जिला मंत्री, जिला संयोजक एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम का समापन भारत माता के जयघोष के साथ हुआ।

ट्रांसको ने विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस पर रोपे पौधे

नवभारत, जबलपुर। मध्यप्रदेश शासन के उपक्रम मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) के 400 केवी सबस्टेशन में विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस के अवसर पर एक सामूहिक पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के दौरान पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता संवर्धन एवं प्रकृति को हरा-भरा बनाए रखने का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर परिसर में लगभग 100 पौधे रोपे गए तथा उनकी नियमित देखभाल एवं संरक्षण का संकल्प भी सभी कार्मिकों द्वारा लिया गया। पौधारोपण कार्यक्रम में एमपी ट्रांसको के अतिरिक्त मुख्य अभियंता अनिल सक्सेना सहित अन्य कार्मिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में अतिरिक्त मुख्य अभियंता अनिल सक्सेना ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक दिन का अभियान नहीं, बल्कि सतत जिम्मेदारी है, जिसके बाद सभी ने अधिकाधिक पौधारोपण करने तथा रोपे गए पौधों को वृक्ष बनने तक संरक्षित रखने का संकल्प लिया।

प्रकृति संरक्षण का संकल्प लेकर एयरपोर्ट में किया पौधरोपण

नवभारत, जबलपुर। प्रकृति के संरक्षण का संकल्प लेकर पटवा समाज द्वारा कदम संस्था एवं केंद्रीय सुरक्षा बल के सहयोग से डुमना एयरपोर्ट परिसर में वृहद वृक्षारोपण किया गया। इस आयोजन में 150 से अधिक फलदार पौधों को पृथ्वी की गोद में रोपित किया गया। इस उपलक्ष्य में पटवा समाज के 50 से अधिक परिवारों के अतिरिक्त कदम संस्था, केंद्रीय सुरक्षा बल एवं एयरपोर्ट के कार्मिक भी शामिल हुए। पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर जोर देते हुए पटवा समाज के अध्यक्ष डी. के. रतनेर ने कहा कि तेजी से बदलते मौसम चक्र और बढ़ती गर्मी से निपटने का एकमात्र उपाय अधिक से अधिक पेड़ लगाना है। पेड़ केवल ऑक्सीजन ही नहीं देते, बल्कि भूमि जल स्तर को सुधारने और प्रदूषण को कम करने में भी मुख्य भूमिका निभाते हैं। इस अवसर पर पटवा समाज के संरक्षक योगाचार्य सुदामा पाटिल, अध्यक्ष डी. के. रतनेर, सचिव अभय पाटकर, उपाध्यक्ष टी. सी. लखेरा, कोषाध्यक्ष के. एल. तारन, महिला अध्यक्ष श्रद्धा तारन, वरिष्ठ सदस्य दीपा रतनेर, महिला सचिव सुधा पाटकर, महिला कोषाध्यक्ष ममता पटवा सहित अन्य और भी पदाधिकारी उपस्थित रहे।

डीएनएलयू में ओरिएंटेशन के साथ विधिक शिक्षा का सफर शुरू

नवभारत, जबलपुर। धर्मशास्त्र राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय (डीएनएलयू) में ओरिएंटेशन-कम-इंडक्शन कार्यक्रम 2026 के साथ बीए एलएलबी (ऑनर्स) एवं एलएलएम के नए शैक्षणिक सत्र का शुभारंभ हुआ। कुलपति प्रो. डॉ. मनोज कुमार सिन्हा के नेतृत्व में विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम की शुरुआत कुलसचिव डॉ. प्रवीण त्रिपाठी के स्वागत भाषण से हुई, जिन्होंने नवप्रवेशित बैच 2026 के विद्यार्थियों का औपचारिक स्वागत किया। इस मौके पर मुख्य अतिथि मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति दीपक खोत ने अपने भाषण में विधि के वास्तविक अध्ययन पर अपने विचार साझा किए। कार्ल लेवेलिन की पुस्तक 'द ब्रैम्बल बुश' का उल्लेख करते हुए खोत ने विधि-अध्ययन को समझ को पैना बनाने वाला अनुभव बताया। खोत ने स्पष्ट किया कि विधि केवल प्रावधानों को याद रखने का विषय नहीं, बल्कि तर्क, पद्धति और युक्तिवाद की कला है, इसलिए विद्यार्थियों को हमेशा निर्णयों और अधिनियमों के मूल स्रोतों का स्वयं अध्ययन करना चाहिए।

न्यायमूर्ति ने बताया कानून के अध्ययन का महत्व

इस दौरान न्यायमूर्ति दीपक खोत ने विद्यार्थियों को सरल भाषा में लिखने, सत्यनिष्ठा से तर्क करने, मूट कोर्ट में भाग लेने और विधिक सहायता क्लीनिकों से जुड़कर विधि के वास्तविक उद्देश्य को समझने के लिए प्रोत्साहित किया। उद्घाटन सत्र का समापन विधि के प्राध्यापक प्रो. डॉ. शैलेश एन. हडली के धन्यवाद ज्ञापन से हुआ, जिसके बाद संकाय सदस्यों का परिचय कराया गया। इसके बाद संकाय अधिष्ठाता एवं परीक्षा नियंत्रक डॉ. गार्गी चक्रवर्ती ने शैक्षणिक व परीक्षा प्रक्रियाओं, सहायक प्राध्यापक डॉ. दीपलक्ष्मी चिले ने छात्रावास नियमों और सहायक प्राध्यापक डॉ. ईशा वाधवा ने उपस्थिति नियमों पर प्रकाश डाला। साथ ही, सहायक अधिष्ठाता डॉ. अनिमेष झा द्वारा संचालित संवादात्मक सत्र भी आयोजित किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने कैंपस जीवन के मूल्यों पर चर्चा की।

चिकित्सा | नि:शुल्क श्रवण क्षमता जांच शिविर ने बदली लोगों की जिंदगियां

वाणी स्पीच क्लिनिक के शिविर में 200 से अधिक लोग लाभान्वित

नवभारत, जबलपुर। स्वर्गीय डॉ. कैलाश नाथ मेहरा की प्रथम पुण्यतिथि के अवसर पर वाणी स्पीच एंड हियरिंग क्लिनिक प्राइवेट लिमिटेड द्वारा दो दिवसीय नि:शुल्क श्रवण क्षमता जाँच एवं परामर्श शिविर आयोजन किया गया था, जिसका सफलतापूर्वक समापन हुआ। इस शिविर में दो दिनों के भीतर 200 से अधिक शिशुओं, बच्चों, वयस्कों और बुजुर्गों ने अपनी जाँच कराई। शिविर में आए लोगों को आवश्यक परामर्श और उपचार से जुड़ा मार्गदर्शन दिया गया। क्लिनिक की डायरेक्टर डॉ. सोनल मेहरा ने बताया कि सुनने की क्षमता में कमी का समय पर पता चलना बहुत जरूरी है। देर होने पर यह व्यक्ति के सामाजिक, मानसिक और पारिवारिक जीवन को नुकसान पहुँचाती है। उन्होंने कहा कि ऐसे जागरूकता शिविर समाज में कान के स्वास्थ्य के प्रति चेतना बढ़ाने में बड़ी भूमिका निभाते हैं। इस आयोजन के माध्यम से हर वर्ग की श्रवण समस्याओं को दूर करने का प्रयास किया गया और लोगों को जागरूक भी किया गया।

अत्याधुनिक उपकरणों से हुई गहन वैज्ञानिक जांच-इस दौरान चीफ ऑडियोलॉजिस्ट विशाल मेहरा ने बताया कि शिविर में अत्याधुनिक उपकरणों की मदद से साउंड प्रूफ चैम्बर में कान के मध्य और अंदरूनी हिस्से की वैज्ञानिक जाँच की गई। इसके लिए इंटरकास्टिक्स ऐसी40ई ऑडियो मीटर, माइको एम आई 24 इम्पिडेंस सिस्टम, एआरआईए बेरा, टिनिटस स्टेशन और रियल ईयर मेजरमेंट का उपयोग हुआ। जाँच से यह पता लगाया गया कि उम्र बढ़ने के कारण सुनने की क्षमता कितनी कम हुई है। इसी आधार पर यह तय किया गया कि मरीज को दवा दी जाए या श्रवण यंत्र लगाया जाए। विशाल मेहरा ने बताया कि सुनने की क्षमता घटने पर लोग अवसाद और अकेलेपन का शिकार हो जाते हैं। एक शोध के अनुसार, यदि किसी की श्रवण क्षमता 25 प्रतिशत प्रभावित है तो डिमेंशिया और अल्जाइमर का खतरा दो गुना बढ़ जाता है। 50 प्रतिशत प्रभाव पर यह खतरा तीन गुना और 75 प्रतिशत प्रभाव होने पर चार गुना बढ़ जाता है। यह कमी दिमाग की कार्यक्षमता को भी घटाती है। ऐसी स्थिति में श्रवण यंत्र का उपयोग करने से याददाश्त सुधरती है और सामाजिक संपर्क बेहतर होता है। इसी को देखते हुए मरीजों को शिविर में विशेष लाभ दिए गए।

जरूरतमंद मरीजों को मिले मुफ्त श्रवण यंत्र

शिविर में मरीजों को उच्च गुणवत्ता वाले डिजिटल रिचार्जेबल ब्लूटूथ श्रवण यंत्रों की जानकारी दी गई। विशेषज्ञों ने बताया कि आधुनिक कान की मशीनें मोबाइल और टीवी से सीधे जुड़कर बेहतर आवाज देती हैं। इससे व्यक्ति परिवार और समाज से दोबारा जुड़ पाता है और उसका जीवन बेहतर होता है। सेवा भावना के तहत शिविर के पहले दिन 5 और दूसरे दिन 5 जरूरतमंद मरीजों को मुफ्त श्रवण यंत्र दिए गए। इसके अलावा शिविर में बहुत कम कीमतों पर श्रवण यंत्र, बैटरी, कॉईस और ईयरिंग टिप्स उपलब्ध कराए गए। इस आयोजन में चीफ ऑडियोलॉजिस्ट विशाल मेहरा के साथ ऑडियोलॉजिस्ट मेघा साहू, आयुष दुबे, अनूप द्विवेदी, शिवम जोशी, सियाराम पाल और सुमन राज ने अपनी सेवाएँ दीं। डॉ. सोनल मेहरा ने सभी हितग्राहियों, जनप्रतिनिधियों, मीडिया और नागरिकों का आभार जताया। इस कार्य में मनीषा, मोनिका, सीमा, दीक्षा, रत्ना, ओमश्री, रितिका, धारणी, आस्था, निशा, बबीता और ज्योति ने सहयोग किया। विशाल मेहरा ने बताया कि जो लोग किसी कारणवश इस शिविर में नहीं आ पाए, वे आज यानी 3 अगस्त को भी सुबह 11 से शाम 5 बजे के बीच आकर अपनी जाँच करवा सकते हैं।

पाथेय संस्था द्वारा डॉ. मृदुला सिंह की दो कृतियों का विमोचन

नवभारत, जबलपुर। रसल चौक स्थित होटल अरिहंत पैलेस में पाथेय संस्था के तत्वावधान में वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. मृदुला सिंह की दो कृतियों 'संस्कृति-संस्मरण और सिनेमा' तथा 'अभिनंदन के पन्ने' का विमोचन किया गया। भाषा विज्ञानी डॉ. पूरनचंद श्रीवास्तव की जन्म-स्मृति को समर्पित इस समारोह के मुख्य अतिथि पूर्व प्राचार्य डॉ. के.पी. शुक्ल ने कहा कि संस्कृति किसी भी समाज की स्मृति और जीवन-मूल्यों की संवाहक होती है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए डॉ. कृष्णकुमार दुबे ने दोनों पुस्तकों को साहित्य और सिनेमा के संदर्भों को सहेजने का एक उत्कृष्ट प्रयास बताया। इस अवसर पर सारस्वत अतिथि डॉ. मीना गुप्ता एवं डॉ. तनूजा चौधरी ने भी कृतियों के साहित्यिक महत्त्व पर अपनी बात रखी। विमर्श के दौरान वक्ताओं ने स्पष्ट किया कि 'संस्कृति-संस्मरण और सिनेमा' कला के अंतर्संबंधों को दर्शाती है, जबकि 'अभिनंदन के पन्ने' रचनाकारों के प्रति आत्मीय सम्मान का दस्तावेज है। कार्यक्रम में उत्कृष्ट योगदान के लिए इंद्रा सेंगर, एन.एस. बिसेन, सुधा शुक्ला, डॉ. संध्या श्रुति और चंद्रकांत जैन को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के संयोजक राजेश पाठक 'प्रवीण' ने आयोजन की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए मंच का कुशल संचालन किया। समारोह के दौरान सुभाष शलभ, डॉ. विजय किसलय, राजेन्द्र मिश्रा, डॉ. सुरेन्द्रलाल साहू, डॉ. प्रकाश दुबे, संतोष नेमा, राजीव गुप्ता, मृगेंद्रनारायन सिंह और अखिलेश श्रीवास्तव ने अतिथियों का सम्मान किया। कार्यक्रम के अंत में श्वेता सिंह ने उपस्थित सभी अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

ये रहीं उपस्थित

इस दौरान जस्टिस मीना भट्ट, डॉ. सलमा जमाल, डॉ. शोभा सिंह, ज्योति प्यासी, प्रभा शील, रजनी कोठारी, वंदना सोनी, सिद्धेश्वरी सराफ, तरुणा खरे, प्रतीक्षा सेठी, डॉ. वंदना दुबे, प्रतिमा अखिलेश, प्रीति नामदेव, ज्योति जैन और मनीषा गौतम सहित अनेक कवयित्रियाँ मुख्य रूप से उपस्थित रहीं।